THE VILLAGE
INTERNATIONAL SCHOOL
"We Nurture Dreams"

QUESTION BANK **पाठ 1** साखी

क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

प्रश्न 1.मीठी वाणी बोलने से औरों को सुख और अपने तन को शीतलता कैसे प्राप्त होती है?

प्रश्न 2.दीपक दिखाई देने पर अँधियारा कैसे मिट जाता है? साखी के संदर्भ में स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 3.ईश्वर कण-कण में व्याप्त है, पर हम उसे क्यों नहीं देख पाते ?

प्रश्न 4.संसार में सुखी व्यक्ति कौन है और दुखी कौन? यहाँ 'सोना' और 'जागना' किसके प्रतीक हैं? इसका प्रयोग यहाँ क्यों किया गया है? स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 5.अपने स्वभाव को निर्मल रखने के लिए कबीर ने क्या उपाय सुझाया है?

प्रश्न 6.ऐकै अषिर पीव का, पढ़े सु पंडित होइ'–इस पंक्ति द्वारा कवि क्या कहना चाहता है?

प्रश्न 7.कबीर की उद्धृत साखियों की भाषा की विशेषता स्पष्ट कीजिए।

(ख) निम्नलिखित का भाव स्पष्ट कीजिए

प्रश्न 1.बिरह भुवंगम तन बसै, मंत्र न लागै कोइ।

प्रश्न 2.कस्तूरी कुंडलि बसै, मृग ढूँढे बन माँहि।

प्रश्न 3.जब मैं था तब हरि नहीं, अब हरि हैं मैं नाँहि।

प्रश्न 4.पोथी पढ़ि पढ़ि जग मुवा, पंडित भया न कोई।

भाषा अध्ययन

प्रश्न 1.

पाठ में आए निम्नलिखित शब्दों के प्रचलित रूप उदाहरण के अनुसार लिखिए-

योग्यता विस्तार

प्रश्न 1.साधु में निंदा सहन करने से विनयशीलता आती है तथा व्यक्ति को मीठी व कल्याणकारी वाणी बोलनी चाहिए'-इन विषयों पर कक्षा में परिचर्चा आयोजित कीजिए।

प्रश्न 2.कस्तूरी के विषय में जानकारी प्राप्त कीजिए।

परियोजना कार्य

प्रश्न 1.मीठी वाणी/बोली संबंधी व ईश्वर प्रेम संबंधी दोहों का संकलन कर चार्ट पर लिखकर भित्ति पत्रिका पर लगाइए।

प्रश्न 2.कबीर की साखियों को याद कीजिए और कक्षा में अंत्याक्षरी में उनका प्रयोग कीजिए।

लघु उत्तरीय प्रश्नोत्तर

प्रश्न 1.ऐसी बाँणी बोलिये' के माध्यम से कबीर कैसी वाणी बोलने की सीख दे रहे हैं और क्यों?

प्रश्न 2.मन में आपा कैसे उत्पन्न होता है? आपा खोने के लिए कबीर क्यों कह रहे हैं?

प्रश्न 3.'ऐसैं घटि घटि राँम है' के माध्यम से कबीर ने मनुष्य को किस सत्यता से परिचित किया है?

प्रश्न 4.हर प्राणी में राम के बसने की तुलना किससे की गई है?

प्रश्न 5.सब अँधियारा मिटि गया' यहाँ किस अँधियारे की ओर संकेत किया गया है? यह अँधियारा कैसे दूर हुआ?

प्रश्न 6. कबीर की दृष्टि में संसार सुखी और वह स्वयं दुखी हैं, ऐसा क्यों?

प्रश्न 7.राम वियोगी की दशा कैसी हो जाती है? स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 8. निंदक के बारे में कबीर की राय समाज से पूरी तरह भिन्न थी। स्पष्ट कीजिए।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्नोत्तर

प्रश्न 1.
कबीर की साखियाँ जीवन के लिए अत्यंत उपयोगी हैं। इनमें जिन जीवन-मूल्यों की झलक मिलती है, उनका उल्लेख कीजिए।

प्रश्न 2.
ईश्वर के संबंध में कबीर के अनुभवों और मान्यताओं का वर्णन साखियों के आधार पर कीजिए।

प्रश्न 3.
निंदक किसे कहा गया है? वह व्यक्ति के स्वभाव का परिष्करण किस तरह करता है?